Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

भाग - 3

आधुनिक भारत का इतिहास

अध्याय - 10

विद्रोही और राज

भाग - 1

Pritesh Joshi

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

विद्रोही और राज

विद्रोह

ब्रिटिश राज => EIC

1857 के विद्रोह

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

व्यापार ↑ → शासन मे हस्तक्षेप

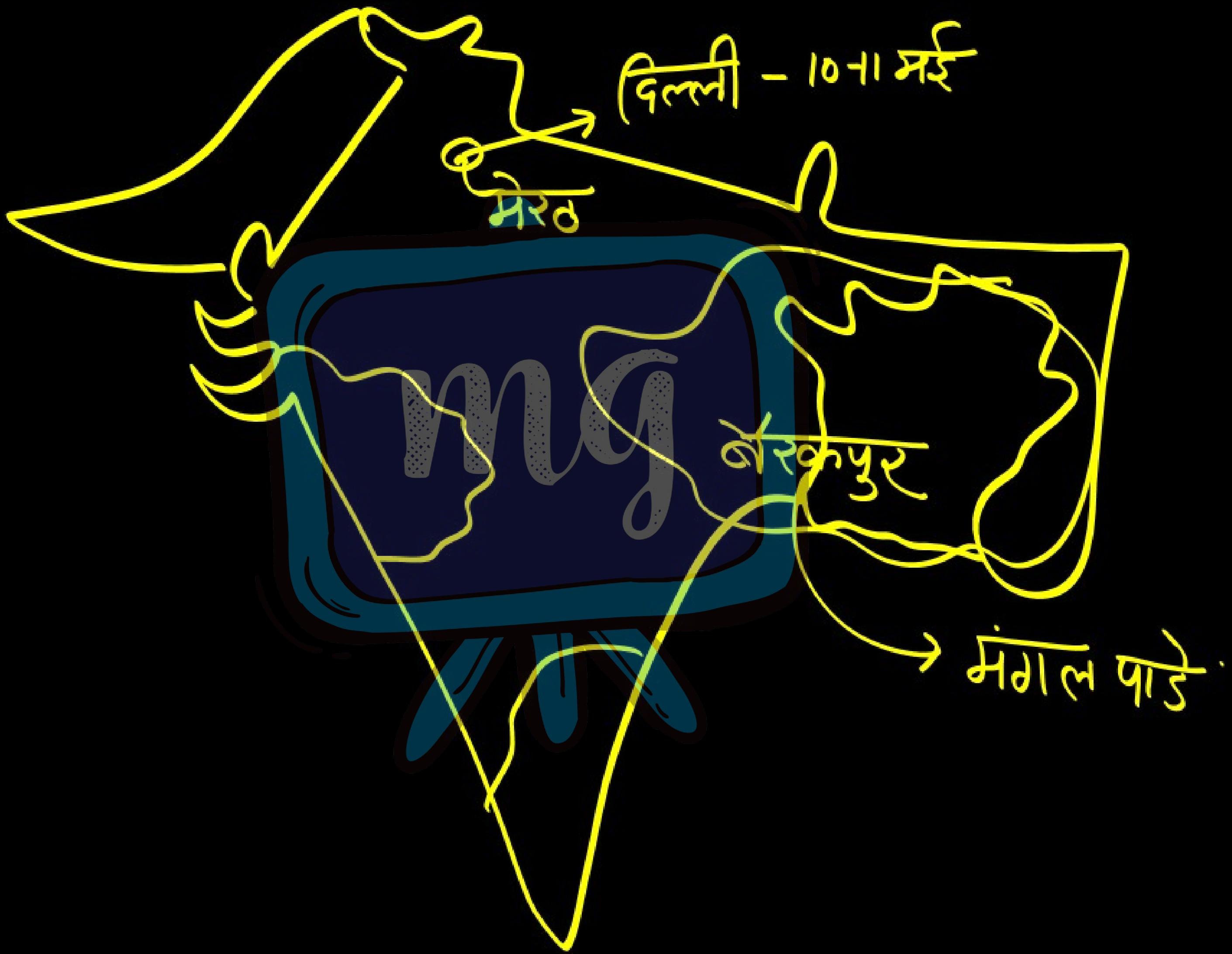
दिल्ली - 10-11 मई
मेरठ
बैरकपुर
मंगल पाडे

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ज़फर

दिल्ली

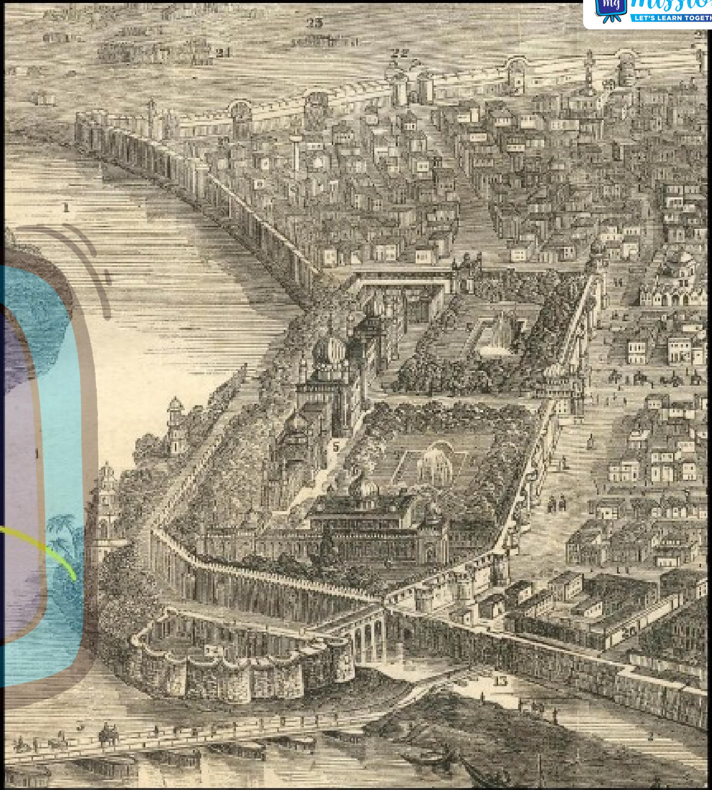

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिचय

सिराज०

- विदेशी शासन का प्रारम्भ – 1757 प्लासी के युद्ध के बाद।

  ↓

  100 वर्ष बाद → 1857.

- 1857 में विदेशी शासन के विरूद्ध पहला बड़ा आंदोलन भारतीयों के द्वारा किया गया।

- कारण : पिछले 100 वर्षों में कम्पनी के द्वारा जो अन्याय पूर्ण शासन भारतीयों पर किया वे सभी विद्रोह के कारण थे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

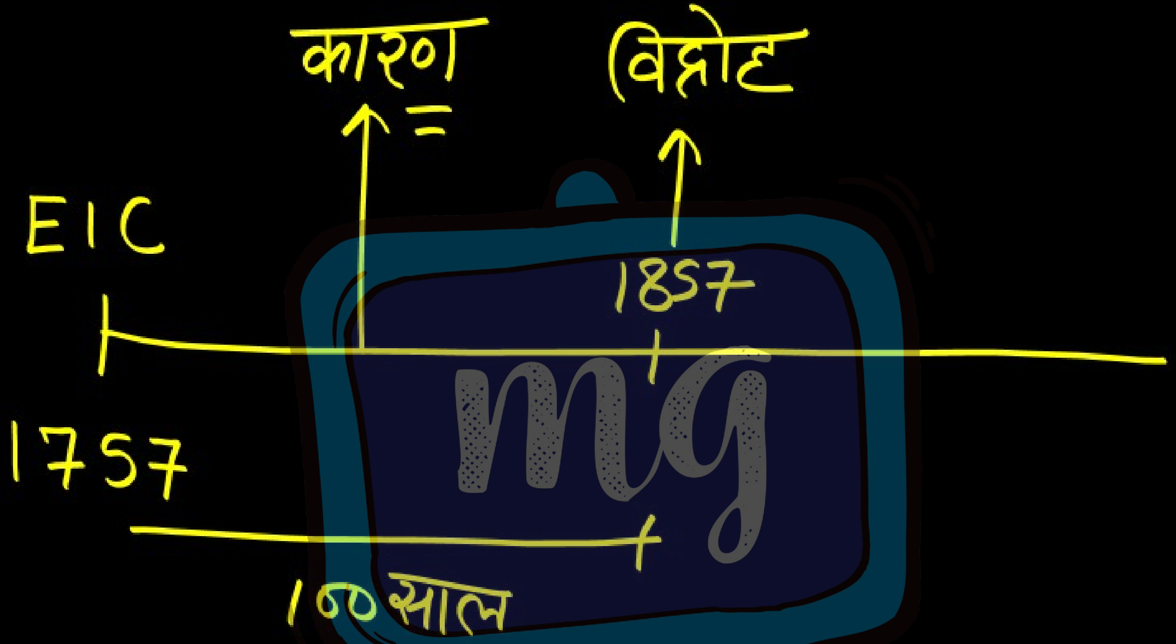

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

क्रांति के कारण

राजनीतिक एवं प्रशासनिक कारण :-

- अंग्रेजों की साम्राज्यवादी नीति (लॉर्ड वैलेजली की सहायक संधि प्रथा एवं लॉर्ड डलहौजी की गोद निषेध प्रथा)।

लॉर्ड वैलेजली → सहायक संधि

लॉर्ड डलहौजी → गोद निषेध

राजा → झाँसी

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

बंगाल

ज़फर

5th रिपोर्ट

- भारतीय जमीदारों के विरूद्ध अपमानजनक व्यवहार नीति।
- मुगल बादशाह बहादुरशाह जफर के प्रति अपमानजनक व्यवहार। भारतीय मुसलमानों में नाराजगी।
- अंग्रेजी प्रशासन में भ्रष्टाचार व लूट-खसोट।
- 1833 ई. के चार्टर एक्ट के प्रावधान तथा उनकी अवहेलना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

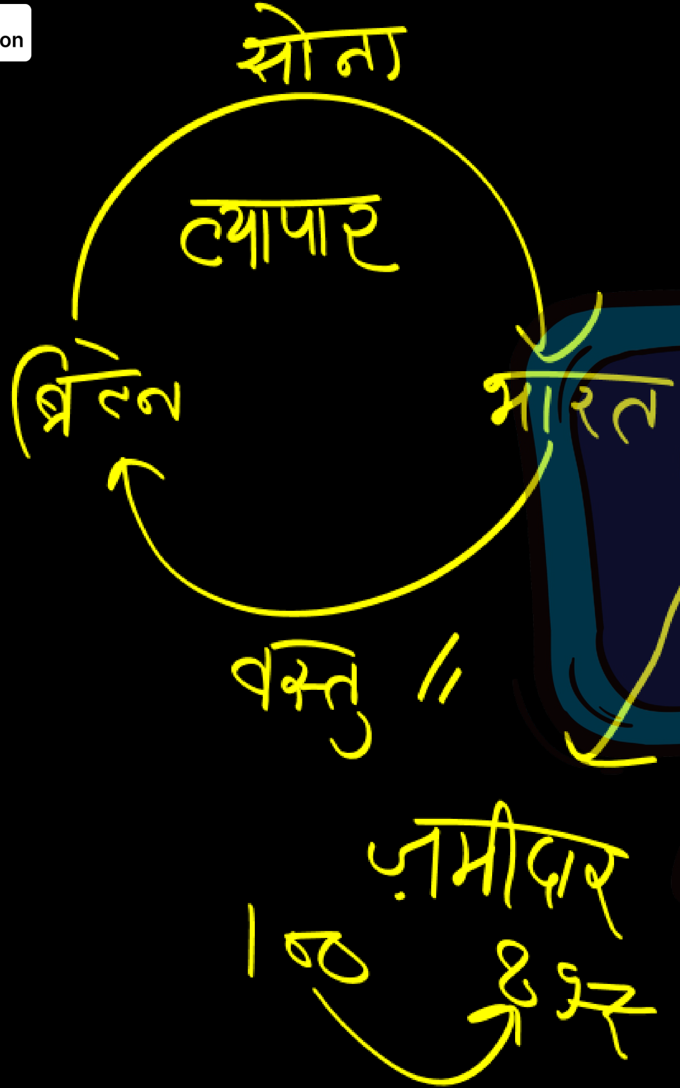

आर्थिक कारण :-

- भारतीय उद्योग–धंधों का शोषण एवं उनको चौपट
- अंग्रेजों द्वारा अपनाई गई दोषपूर्ण भू–राजस्व पद्धति।
- भारत के कपड़ा उद्योग के कच्चे माल पर कम निर्यात कर लगाना।
- इंग्लैण्ड की औद्योगिक क्रांति के परिणामस्वरूप भारतीय परम्परागत उद्योगों का आर्थिक शोषण।
- भारतीय धन का निरंतर निष्कासन।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

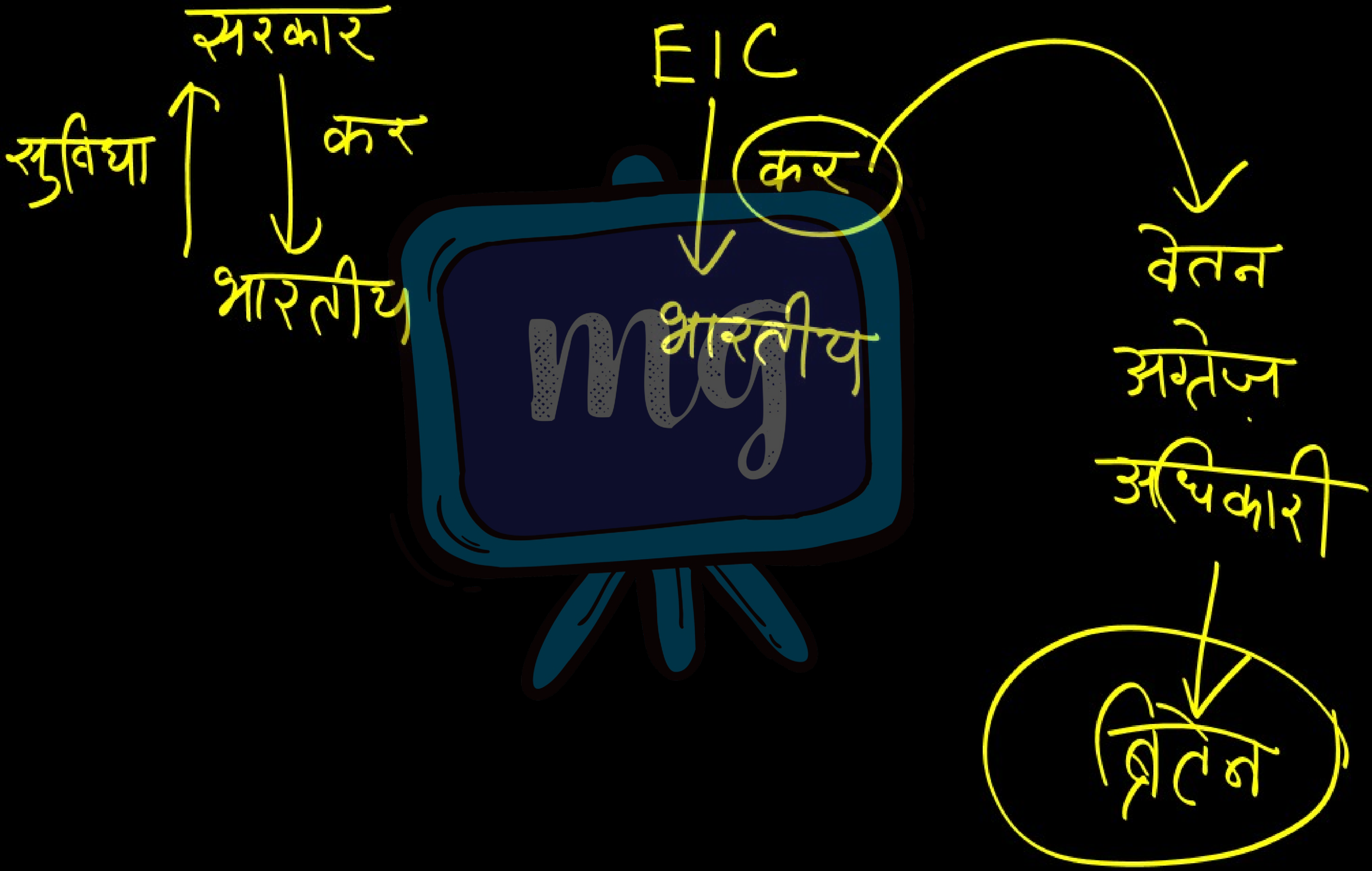

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

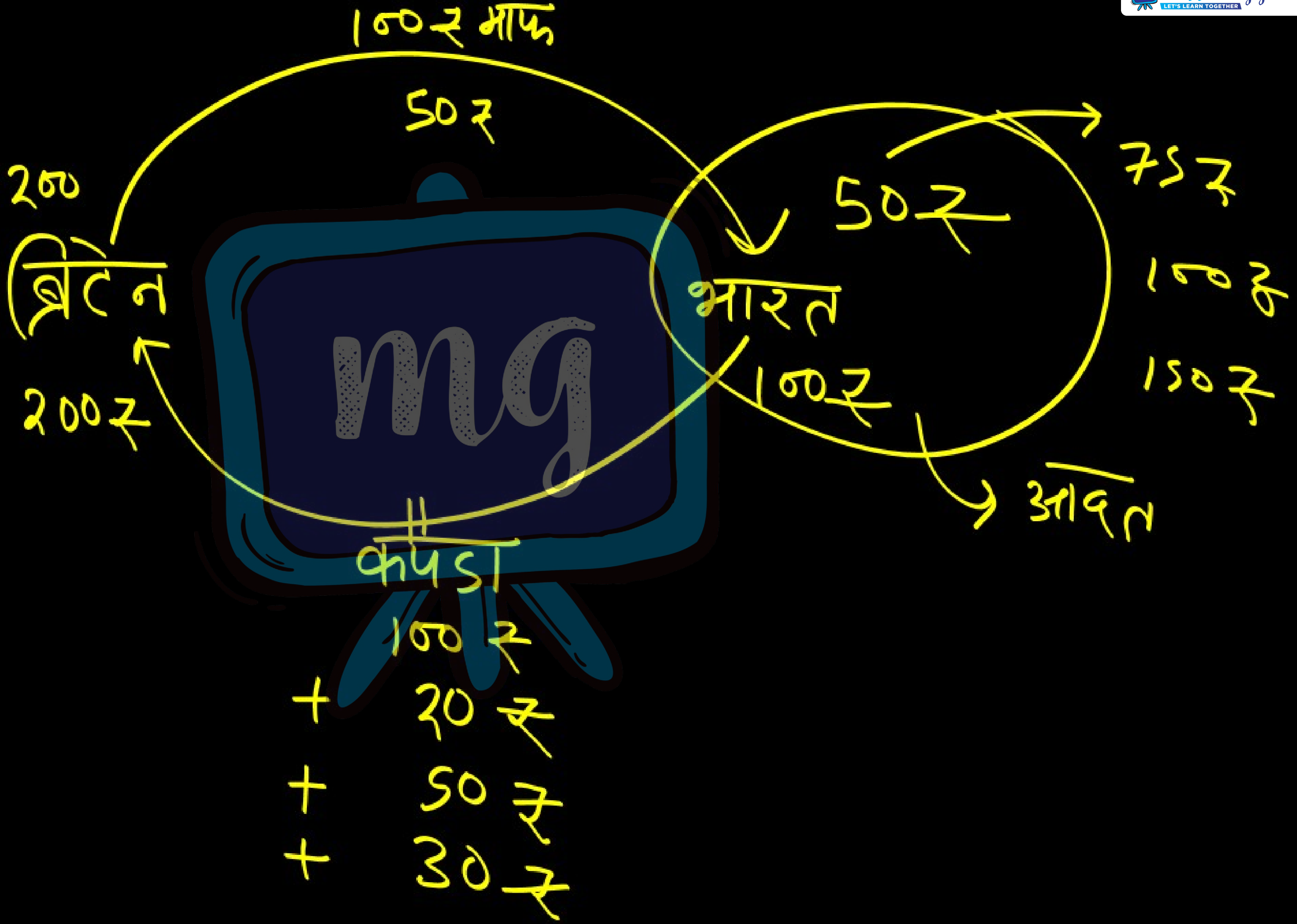

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

सामाजिक कारण :-

- अंग्रेजों द्वारा भारतीयों को घृणा की दृष्टि से देखना।
- दोषपूर्ण पाश्चात्य शिक्षा नीति।

रंगभेद

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

धार्मिक कारण :-

- अंग्रेजों द्वारा दोषपूर्ण पैतृक सम्पत्ती कानून का निर्माण।
- 1813 ई. के चार्टर एक्ट के तहत् ईसाई धर्म के प्रचार-प्रसार की स्वीकृति प्रदान करना।
- अंग्रेजों द्वारा मंदिरों व मस्जिदों में सम्पत्ती कर लगाना।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

सैनिक कारण :-

क्रांति के पूर्व के विद्रोह-

- 1806 ई. का वैल्लोर विद्रोह, 1824 ई. का बैरकपुर विद्रोह, 1849 ई. का बंगाल की 22 वीं नेटिव इंफेन्ट्री आदि।
- विभिन्न युद्धों में अंग्रेजों की पराजय एवं भारी क्षति- अफगान युद्ध 1849 ई. क्रिमिया युद्ध, पंजाब युद्ध आदि।
- अंग्रेजी सेना में भारतीय सैनिकों की बढ़ती संख्या। (बंगाल तथा अवध में सैनिक असंतोष)।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- वेतन, भत्ते, पद तथा पदोन्नति के संबंध में भारतीय सैनिकों के साथ अपमानजनक व्यवहार।
- 1854 ई. के डाक घर अधिनियम के तहत् भारतीय सैनिकों को दी जाने वाली निःशुल्क डाक सुविधा को समाप्त कर दिया गया।
- 1856 ई. में लॉर्ड कैनिंग के सामान्य सेवा भर्ती अधिनियम के तहत् भारतीय सैनिकों को भारत से बाहर युद्ध में भेजा जाने लगा।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

mg

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

तात्कालिक कारण :–

- नई एनफील्ड राईफिल्स में प्रयोग होने वाले चर्बी लगे कारतूसों (सूअर तथा गाय की चर्बी) का प्रयोग।
- हिन्दू तथा मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाला।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

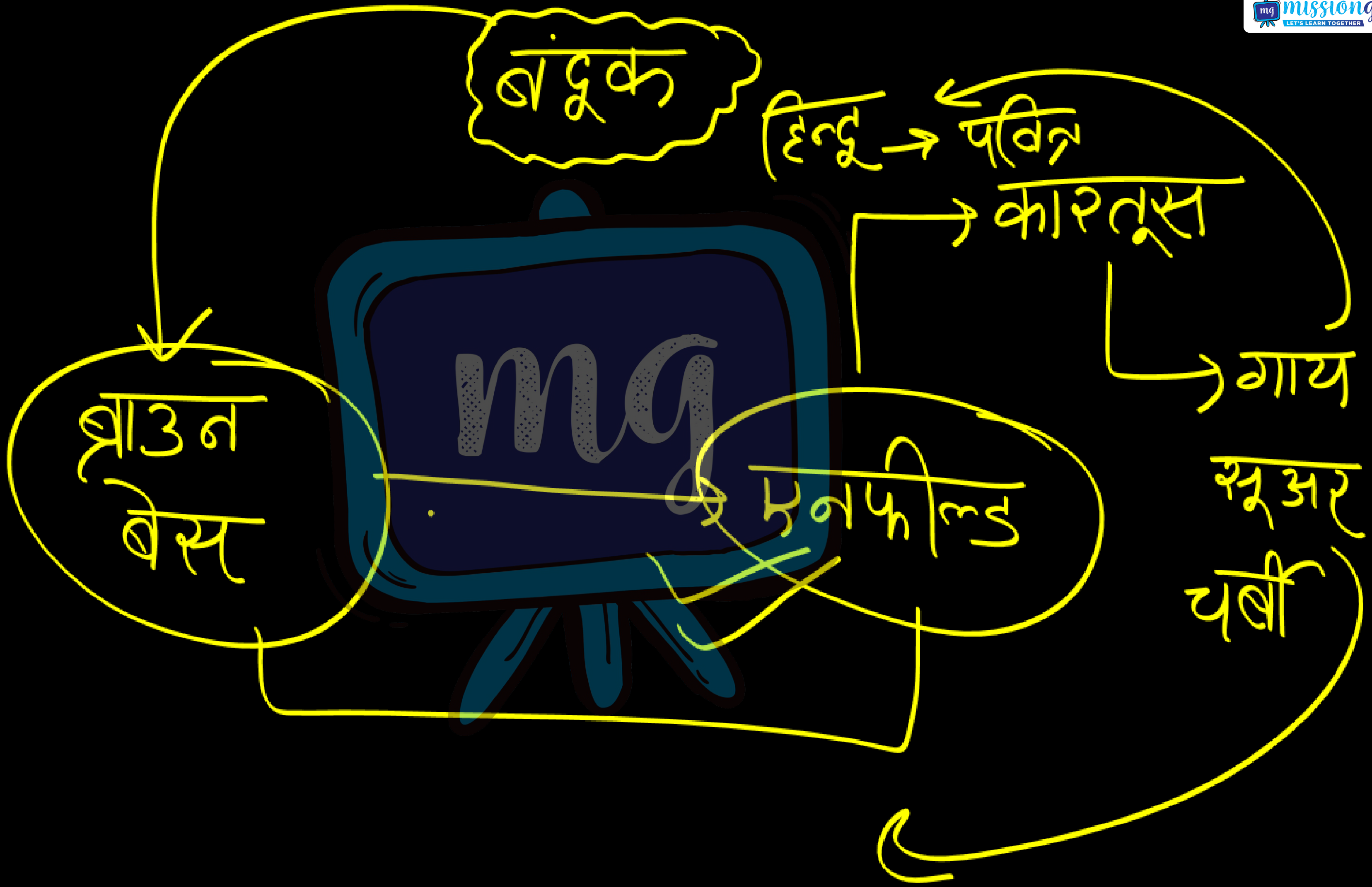

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

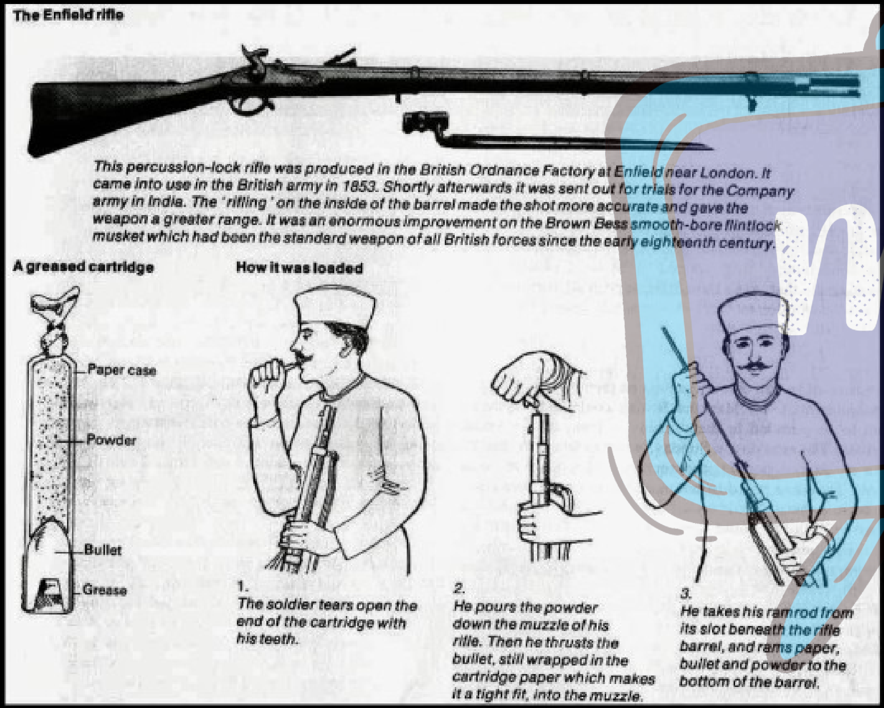

ब्राउन बेश राइफल → एलफील्ड राइफल

↓

चर्बी युक्त कारतूस इस्तेमाल होते थे

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- तोप का गोला दागे
  फायर + बिगुल बजाकर
  ↓
  विद्रोह की शुरुआत →

सैन्य विद्रोह कैसे शुरू हुए ?

- प्रारम्भ – 10 मई 1857 को मेरठ छावनी से प्रारम्भ हुआ।

दिल्ली में विद्रोह

- नेतृत्व – बहादुरशाह II / बहादुर शाह जफर
- जैसे-जैसे विद्रोह की खबरें एक शहर से दूसरे शहर पहुंचती गयी वैसे-वैसे सिपाही हथियार उठाते गये।
- सिपाही किसी विशेष संकेत के साथ अपनी कार्यवाही शुरू करते थे।
- सबसे पहले उन्होंने शस्त्रागार पर कब्जा किया और सरकारी खजाने को लूटा।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q. 1857-विद्रोह की शुरुआत किस प्रकार हुई?

- विद्रोह में आम लोगों के भी शामिल हो जाने के साथ साथ विद्रोह का दायरा फैल गया।
- साहूकार और अमीर भी विद्रोहियों के गुस्से का शिकार बनने लगे।

ब्रिटिश शासन ताश के किले की तरह बिखर गया।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

असामान्य समय में सामान्य जीवन

विद्रोह के महीनों में शहरों में क्या हुआ? उथल-पुथल के उन दिनों में लोग अपनी ज़िंदगी कैसे जी रहे थे? सामान्य जीवन किस तरह प्रभावित हुआ? विभिन्न शहरों की रिपोर्टों से पता चलता है कि सामान्य गतिविधियाँ अस्त-व्यस्त हो गईं थीं। *दिल्ली उर्दू अख़बार*, 14 जून 1857 की इन रिपोर्टों को पढ़िए :

> यही हालात सब्ज़ियों और साग (पालक) के भी हैं। लोग इस बात पर शिकायत कर रहे हैं कि बाज़ारों में कद्दू और बैंगन तक नहीं मिलते। आलू और अरबी अगर मिलती भी हैं तो बासी, सड़ी जिसे कुँजड़ों (सब्ज़ी बेचने वाले) ने रोक कर (जमाकर) रखा हुआ था। शहर में स्थित बाग़-बगीचों से कुछ माल चंद इलाकों तक पहुँच जाता है लेकिन ग़रीब और मध्यवर्ग वाले उन्हें देखकर बस होठों पर जीभ फिरा कर रह जाते हैं (क्योंकि वे चीज़ें खास लोगों के लिए ही हैं)।

> ... यहाँ एक और चीज़ पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए जिससे लोगों को बड़ा नुकसान हो रहा है। मामला यह है कि पानी भरने वालों ने पानी भरना बंद कर दिया है। ग़रीब शुरफ़ा (शरीफ लोग) खुद घड़ों में पानी भरकर लाते हैं और तब जाकर घर में खाना बनता है। हलालख़ोर हरामख़ोर हो गए हैं। कई दिनों से बहुत सारे मोहल्लों में कोई आमदनी नहीं हुई है और यही हालात बने रहे तो गंदगी, मौत और बीमारियाँ शहर की आबो-हवा ख़राब कर देंगी और शहर महामारी की गिरफ़्त में आ जाएगा, यहाँ तक कि आस-पास के इलाके भी उसकी चपेट में आ जाएँगे।

➲ इन दोनों रिपोर्टों तथा उस दौरान दिल्ली के हालात के बारे में इस अध्याय में दिए गए विवरणों को पढ़ें। याद रखें कि अख़बारों में छपी ख़बरें अकसर पत्रकार के पूर्वाग्रह या सोच से प्रभावित होती हैं। इस आधार पर बताएँ कि *दिल्ली उर्दू अख़बार* लोगों की गतिविधियों को किस नज़र से देखता था?

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संचार के माध्यम

उदाहरण :-

7वी अवध इर्रेग्यूलर इनफैंटरी (कारतूस)
"हमनें अपने धर्म की रक्षा के लिए फैसले लिए हैं, और 48 नेटिव इंफैंटरी के हुक्म का इंतजार है"।

- विभिन्न छावनियों के सिपाहियों के बीच अच्छा संचार बना हुआ था।
- रात में सिपाहियों की पंचायतें जुड़ती थी और उनमें सामूहिक रूप से फैसले लिये जाते थे।

  ये योजनाएँ कैसे बनायी गयी?

  योजनाकार कौन थे?
- मौजूदा दस्तावेजों के आधार पर इन सवालों के सीधे सीधे जवाब देना कठिन है।